पद्मभूषण बेगम अख्तर को गजलों से दी श्रद्धांजलि

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में पद्मभूषण बेगम अख्तर की पुण्यतिथि पर हुआ कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। पद्मभूषण बेगम अख्तर की पुण्यतिथि के अवसर पर भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में बृहस्पतिवार को याद-ए बेगम अख्तर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विवि की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, प्रख्यात गजल गायक पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन एवं उस्ताद मोहम्मद हुसैन ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।

इसके बाद पद्मभूषण बेगम अख्तर के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। अतिथि के रुप में सुनीता झिंगरन, प्रो. कुमकुम धर और युगांतर सिंदूर उपस्थित रहे।



याद-ए-बेगम अख्तर कार्यक्रम में मौजूद लोग। संवाद

भगवान गणेश की स्तुति के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। उस्ताद अहमद हुसैन एवं उस्ताद मोहम्मद हुसैन ने इसके बाद कलाकारों ने शकील बदायूंनी की रचना दूर है मंजिल, राहें हैं मुश्किल आलम है तन्हाई का प्रस्तुत की। इसके साथ ही यूं ही बेसबब ना फिरा करो, आया तेरे दर पर दीवाना, जैसी प्रस्तुतियों श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि पद्मभूषण बेगम अख्तर भारतीय संगीत जगत की महान विभूति थीं। उनका भातखंडे से गहरा जुड़ाव रहा और उन्होंने यहां अपनी सेवाएं दीं।

अपनी अद्वितीय गायकी से गजल, ठुमरी और दादरा को विशिष्ट पहचान दिलाई। विवि के कुलसचिव अतुल कुमार ने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को महान संगीत विभूतियों के जीवन, योगदान और विरासत से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। इस मौके पर प्रो. सृष्टि माथुर, डॉ. मनोज कुमार मिश्रा, मंजुला पंत और ज्ञानेंद्र दत्त बाजपेई आदि मौजूद रहे।